This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6142**

Unique Paper Code : **205401** **E**

Name of the Paper : **Adhunik Kavita-I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** काव्यांशों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए : 8+8

(क) मसजिद भी आदमी ने बनाई है या मियाँ
बनते हैं आदमी ही इमाम और खुतबाख्वाँ
पढ़ते हैं आदमी ही कुरआन और नमाज़ यां
और आदमी ही उनकी चुराते हैं जूतियाँ
जो उनको ताड़ता है सो है वो भी आदमी।

(ख) पाकर तुम्हें फिर और कुछ पाना न रहता शेष है;
पाता न जब तक जीव तुमको भटकता सविशेष है।
जो जन तुम्हारे पद-कमल के असल मधु को जानते,
वे मुक्ति की भी कर अनिच्छा तुच्छ उसको मानते॥

P.T.O.

(ग) खेत जोतकर घर आये हैं।

बैलों के कन्धों पर माची,

माची पर उलटा हल रक्खा,

बद्धी हाथ, अधेड़ पिता जी,

माता जी, सिर गट्ठल पक्का;

पिता गये गाँवों के गोंडे,

माता घर, लड़के धाये हैं।

(घ) यश, मान, प्रतिष्ठा, मुकुट नहीं लेने को,

आऊँगा कुल को अभय दान देने को।

परिभव प्रदाह, भ्रम, भय, हरने आऊँगा,

दुख में अनुजों को भुज भरने आऊँगा॥

2. किन्हीं **दो** का रचना-कौशल (लगभग **150** शब्दों में) उद्घाटित कीजिए : 7+7

(क) **निर्देश : प्रकृति-चित्रण**

बीती विभावरी जाग री।

अंबर पनघट में डुबो रही-

तारा-घट उषा नागरी।

खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा,

किसलय का अञ्चल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लाई-

मधु मुकुल नवल रस गागरी।

(ख) **निर्देश : विरह-भाव**

अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा,
श्याम तृण पर बैठने को निरुपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा,
मैं अलक्षित हूँ, यही
कवि कह गया है।

(ग) **निर्देश : आशावादिता का चित्रण**

उत्साह, उमंग निरंतर
रहते मेरे जीवन में
उल्लास विजय का हँसता
मेरे मतवाले मन में।
आशा आलोकित करती
मेरे जीवन को प्रतिक्षण।

(घ) **निर्देश : भाषा-सौंदर्य**

मेंहदी से तस्वीर खींच ली किसकी मधुर हथेली पर!
प्राणों की लाली-सी है यह, मिट मत जाय
हाथों में रसदान किए यह, छुट मत जाय
यह बिगड़ी पहचान कहीं कुछ बन मत जाय
रूठन फिसलन से मनचाही मन मत जाय।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15+15+15=45

(क) 'आदमीनामा' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ख) छायावादी तत्वों के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य का विवेचन कीजिए।

(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य की कलागत विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'रश्मिरथी' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

(ङ) निराला की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

(च) "मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रस्तोता कवि हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।